



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 20 अक्टूबर, 2022

वर्शिव ऑसटयिपोरोससि दविस

प्रतविरष 20 अक्तूबर को वर्शिव ऑसटयिपोरोससि दविस (World Osteoporosis Day) के रूप में मनाया जाता है। यह दविस ऑसटयिपोरोससि की रोकथाम, नदिन और उपचार के लयि वैश्वकि जागरूकता के प्रसार के प्रतसिम्पति है। WOD का उद्देश्य बड़े पैमाने पर स्वास्थय पेशेवरों, नीति निर्माताओं एवं आमजन तक पहुँच बनाकर ऑसटयिपोरोससि और फ्रैक्चर (अस्थि-भंग) की रोकथाम को वैश्वकि स्वास्थय प्राथमकिता बनाना है। वर्शिव ऑसटयिपोरोससि दविस, 2022 का वषिय “स्टेप अप फॉर बोन हेल्थ” है। यह वषिय समस्त आयु वर्ग में अस्थियों के बेहतर स्वास्थय को बनाए रखने के लयि वषिष कार्य (व्यायाम) करने तथा वयस्क जीवन (प्रौढ जीवन) में ऑसटयिपोरोससि व फ्रैक्चर (अस्थि-भंग) के जोखमि को कम करने पर केंद्रति है। यूनाइटेड कगिडम की नेशनल ऑसटयिपोरोससि सोसायटी ने 20 अक्तूबर, 1996 को ‘वर्शिव ऑसटयिपोरोससि दविस’ की शुरुआत की। अंतरराष्ट्रीय ऑसटयिपोरोससि फाउंडेशन ने वर्ष 1997 में इस दविस का समर्थन कयिा, तब से WOD पूरी दुनयिा में मनाया जाता है। **अस्थिसुषरिता या ऑसटयिपोरोससि** एक अस्थि-रोग है जसिमें फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। ऑसटयिपोरोससि का मुख्य कारण अस्थियों के ऊतकों की खराबी है। इस रोग में अस्थियों नाजुक एवं कमजोर हो जाती हैं, जसिके परिणामस्वरूप रीढ़ की हड्डी वषिषकर कूलहे एवं कलाई के फ्रैक्चर होने का खतरा बढ़ जाता है।

14वाँ जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

युवा और खेल मामलों के मंत्रालय ने 19 अक्तूबर, 2022 को नई दलिली में गृह मंत्रालय के सहयोग से जनजातीय युवाओं के वकिसा के लयि 14वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के आयोजन की शुरुआत हुई। यह कार्यक्रम सात दिनों तक चलेगा। इसका उद्देश्य जनजातीय युवाओं को देश की भव्य सांस्कृतिक धरोहर से अवगत कराना है ताकवि वविधिति में एकता के सदिधांत को भलभिँतसिमझ सके। इसका उद्देश्य इन युवाओं को देश की वकिसा गतविधियों और औद्योगिक वकिसा से भी अवगत कराना है। इस कार्यक्रम में वामपंथी आतंकवाद से प्रभावति छत्तीसगढ़ के सुकमा एवं राजनंदगाँव, मध्य प्रदेश के बालाघाट तथा बहियार के जमुई ज़िले से 18-22 वर्ष आयु के चुनदिा 220 युवा भाग ले रहे हैं।

भारत में ई-20 फ्लेक्स ईधन की आपूर्तिका भवषिय

पेट्रोलयिम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा आयोजति एक कार्यक्रम में बताया गया है कदिेश में फ्लेक्स-फ्यूल इंजन वाले वाहनों के उत्पादन को बड़े पैमाने पर वकिसति करने की आवश्यकता है। इसके अंतरगत ईधन की आपूर्तिका अगले वर्ष अप्रैल में शुरु कयि जाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। पेट्रोलयिम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने 19 अक्तूबर को नई दलिली में जैवकि ईधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन- **सतत भवषिय** पर चर्चा की। इस कार्यक्रम के तहत **फ्लेक्स-फ्यूल ई10 और ई20 वाहनों** की बकिरी के लयि वाहन उद्योग को एक व्यवहार्य व्यावसायिक प्रस्ताव बनाने, वर्ष 2025 तक पेट्रोल के साथ ई20 सम्मशिरण सुनिश्चति कयि जाने से देश को प्रतविरष लगभग 30000 करोड़ रुपए की वदिशी मुद्रा बचाने, जैव ईधन बेचने वाले पेट्रोल पंपों की संख्या 2016-17 के 29897 से लगभग तीन गुना बढ़कर 2021-22 में 67641 होने आदिपर चर्चा की गई। सरकार द्वारा पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मशिरण के लक्ष्य को वर्ष 2030 से पाँच वर्ष कम करके वर्ष 2025 कर दयिा गया है।